



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1  
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 13]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 25, 1984/षष्ठ 4, 1906

No. 13]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 25, 1984/JAYAISHT 4, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त  
(निरीक्षण) अर्जन रंज कानपुर

दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
श्रीर/वा

[आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के  
अधीन सूचनाएं]

कानपुर, 18 मई, 1984

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की जिन्हें  
भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
दियाने में सुविधा के लिए

निर्देश सं० एम-20/84-85:—अतः मुझे जे० पी० हिलोरी, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधि-  
नियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजारमूल्य 25000 से अधिक है और जिसकी सं० 2172 है तथा जो  
गाजियाबाद में स्थित है (और उससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्णरूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय गड़मुक्तेश्वर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
9-8-83 को पूर्णरूप सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण,  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं  
उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न-  
लिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

1. श्री कान्हे पृथ्वी नन्दा,  
निवासी ग्राम, भठवैनी,  
पर० व तह० गढ़, जि० गाजियाबाद (अन्तरक)
2. श्री जरीफ पुत्र ईशहाक एवं अन्य  
ग्राम० भठवैनी, पर० तह० गढ़  
जि० गाजियाबाद। (अन्तरिती)

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के

3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना के तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साक्षीकरण :—उपरोक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती स्थित ग्राम—अठवैनी, पर० ब तह० गढ़, जि०—गाजियाबाद।

तारीख : 18-5-84

मोहर :

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

NOTICES UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Kanpur, the 18th May, 1984

Ref. No. M-20/84-85.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SHHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Garh Mukteshwar on 9-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of

this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Kale, S/o Shri Nanwa, Village Athsaini, Pargana and Tehsil—Garh, Distt. Ghaziabad. (Transferor)

2. Shri Jarif, S/o Sh. Ishaq and others, Village Athsaini, Pargana and Tehsil—Garh, Distt. Ghaziabad (Transferee)

3. Shri —do— (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculture land situated at Village, Athsaini, Pargana & Teh.—Garh, Distt. Ghaziabad.

Date : 18-5-84

Seal :

निर्देश नं० एम-1588/83-84 :—अतः मुझे जो पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000- से अधिक है और जिसकी सं० 8553 है तथा जो मेरठ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-8-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित, उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निवों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न-लिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री पवन कपूर, पुत्र स्व० श्री जान चन्द कपूर, 217, गली नं० 5, थापर नगर, मेरठ एवं अन्य (अन्तरक)
2. श्री प्रदीप कुमार गुप्ता एवं अन्य, पुत्रगण-श्री वी० डी० गुप्ता, नि० 169 एवं 170, पटेल नगर, मेरठ। (अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है) (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रहणकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

म० नं० 200/7 (पुराना)  
नया नं० 217, गली नं० 5,  
थापर नगर, मेरठ।

तारीख : 18-5-84

सोहर :

[जो लागू न हों उसे काट दीजिए]

Ref. No. 1588/83-84.—Whereas I, J. P. Hillori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 16-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Pawan Kapoor, S/o Late Sri Gyan Chand Kapoor, 217, Gali No. 5, Thaper Nagar, Meerut and others. (Transferor)
2. Shri Pradeep Kumar Gupta and others, S/o Shri V. D. Gupta, No. 169 & 170, Patel Nagar, Meerut (Transferee)
3. S/Shri —do— (Persons in occupation of the property).
4. S/Shri —do— (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 200/7 (Old) and No. 217 (New),  
Gali No. 5, Thaper Nagar, Meerut.

Date : 18-5-84

Seal :

निवेश नं० एस-1581/83-84:—अतः मैं जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 19/36-37 है तथा जो गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद

में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-8-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और यहाँ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्र प्रतियाँ से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित, उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिब्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्न-लिखित व्यक्तियों प्रस्तावितः—

1. श्री सुमत प्रसाद जैन, (अन्तरक)  
मि० एस जे-13, शास्त्री नगर, सेक्टर-16,  
गाजियाबाद।
2. श्री महेश्वर सिंह राठी, पुत्र श्री मंगत सिंह (अन्तरिती)  
द्वारा श्री इन्द्र पाल सिंह,  
मि० एसएच-265, शास्त्री नगर,  
गाजियाबाद।
3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रश्नः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० एसजे-13, सेक्टर 16,  
शास्त्री नगर, गाजियाबाद।

तारीख : 18-5-84

मोहर :

जो लागू न हो उसे काट दीजिए

Ref. No. M-1581/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 22-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Sumat Prasad Jain, R/o SJ-13, Shastri Nagar, Sector—16, Ghaziabad (Transferor)
2. Mahendra Singh Rathi, S/o Shri Mangat Singh, through Shri Indrapal Singh, R/o SH-265, Shastri Nagar, Ghaziabad (Transferee)
3. S/Shri —do— (Persons in occupation of the property).
4. S/Shri—do—(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. SJ-13, Sector-16, Shastri Nagar, Ghaziabad.

Date : 18-5-84

Seal :



निर्देश नं० एम-1912/83-84 :—अतः मुझे जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 5391 है तथा जो जिला—मेरठ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय मवाना में, रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-8-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सहाय्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मुबारिक हुसैन, पुत्र श्री अहमद (अन्तरक)  
हुसैन एवं अन्य, ग्राम-लावदजान अली  
तह० सरधना, जि० मेरठ
2. श्री अब्दुल हुकीज एवं अन्य जोग (अन्तरिती)  
नि० ग्रा० मौ० सराय, तह० मेरठ शहर  
.....
3. श्री/श्रीमती/कुमारी ..... अन्तरिती (बह० व्यक्ति, जिसके .....  
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहृत्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आरामी बाँक ग्राम—अगवानपुर  
पर० फिलोर, त० मवाना, जिला मेरठ

तारीख : 18-5-84

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दोड़ें)

Ref. No. M-1912/83-84. Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated as AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mowana on 11-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

1. Shri Mubarik Hussain, S/o Shri Ahmed Hussain and others Village—Lawadjan Ali, Tehsil Sardhana, Distt. Meerut. (Transferor)
2. Shri Abdul Hafiz and others, R/o Mauja—Sarai, Teh. Meerut City. (Transferee)
3. Shri —do — (Persons in occupation of the property).
4. Shri (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land at village Agwanpur, Parwana, Filore, Teh. Mowana, Distt. Meerut.

Date : 18-5-84.

Seal :

निदेश सं० एम-1902/83-84:—अन. मुझे जे० पी० हिलोरी, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 5595 है तथा जो ग्राम—राफन में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मवाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-8-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से मुक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्न-लिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री० ब्रजपाल सिंह, पुत्र शरन सिंह (अन्तरक)  
गा० राफन, पो० मवाना, जि० मेरठ।
2. श्री सतेन्द्र कुमार, पुत्र मुखबीर सिंह एवं अन्य, (अन्तरिणी)  
नि० ग्राम, राफन, पो० मवाना,  
जि०—मेरठ।
3. श्री० श्रीमती/कुमारी ..... अन्तरिणी (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो अत्यन्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेत बाकें ग्राम—राफन, पो० मवाना,  
जि० मेरठ।

तारीख : 18-5-84

माहुर

(जो लागू न हो उसे हटा दिया जाये)

Ref. No. M-1902/33-S4.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mowana on 26-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Brij Pal Singh. S/o Sharan Singh, Village Rafan. P.O. Mowana, Distt. Meerut (Transferor).
2. Shri Satendra Kumar. S/o Shri Sukhbir Singh and others. Village Rafan, P.O. Mowana, Distt. Meerut.

(Transferee)

3. Shri Satendra Kumar, S/o Shri Sukhbir Singh and others, vill. Rafan, P.O. Mowana, Distt. Meerut.

(Persons in occupation of the (Property).)

4. Shri —do— (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land at Village Rafan, P.O. Mowana, Distt. Meerut.

Date : 18-5-84.

Seal :

निदेश नं० एम-8/84-85:—अन: मुझे जे० पी हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 7625 है तथा जो मूजफरनगर में स्थित है (और हमसे उपावद्ध अनुसूची में धोर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जानसठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-8-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रविशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में यत्न अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों की जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखित में सुविधा के लिए

अन: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्न-लिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सरन सिंह, पुत्र श्री कृपाराम, (अन्तरक)  
ग्राम—मुझेड़ा, तह० जानसठ,  
जिला—मूजफरनगर

2. श्री: मोल्हड़ सिंह सैनी, पुत्र श्री पट्टा मिश्र एवं अन्य (अन्तरिती)  
ग्राम—मुझेड़ा, पर० भुम्मा सम्मेलेड़ा  
तह० जानसठ, जिला मूजफरनगर

3. श्री/श्रीमती/कुमारी ..... अन्तरिती..... (वह व्यक्ति, जिसके.....अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हमसे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय में 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती वाले ग्राम—मुझेड़ा, पर० भुम्मा सम्मेलेड़ा,  
तह० जानसठ, जिला मूजफरनगर

तारीख : 18-5-84

सोहर

S.O. M-8/84-85.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath on 6-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Charan Singh, S/o Sri Kripa Ram, Village Mujheda, Tehsil Jansath, Distt. Muzaffarnagar. (Transferor)
2. Molhar Singh Saini, S/o Shri Palta Singh Saini and others, Village Mujheda, Pargana-Bhunuma Sammeleda, Teh. Jansath, District Muzaffarnagar. (Transferee)
3. Shri —do— (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Village Mujheda, Pargana-Bhunuma Sammeleda; Tehsil-Jansath, Distt. Muzaffarnagar.

Date : 18-5-84

Seal :

कानपुर, 14 मई, 1984

निर्देश नं० एम-1582/83-84:—अन: मुझे जे०पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने पञ्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी नं० एम-1582 है तथा जो अमोहा मेरठ में स्थित है (और हमने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-8-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित या वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें वजने में युविद्या के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविद्या के लिए

अन: इस उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उप धारा (1) के अधीन, निम्न-लिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पारस राम सुपुल धुसन (अन्तरक)  
साकिन—रईसपुर, हाजिनाबारी—सरगढा  
जिला—मेरठ
2. श्रीमती कण्डीरी देवी परवी चन्द किरन प्यागी, (अन्तरिणी)  
साकिन—अमोहा  
तहसील हापुड़, जिला—गाजियाबाद
3. श्री/श्रीमती/कुमारी..... (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियों शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30-दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हमने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अन्तर्गति

तारीख : 14-5-84

साक्षर :

Kanpur, the 14th May, 1984 .

Ref. No. M-1582/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 266-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 25-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair



market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Pars Ram S/o Ghoson Village Rasipur, R/o Sarawa, Post Sarawa, Distt. Meerut. (Transferor)
2. Shrimati Kashmiri Devi w/o Chand Kiran Taygi R/o Sakin Asodha, Tehsil Hapur, Distt. Ghaziabad. (Transferee)
3. S/Shri (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette.\*

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Khasra No. 18 situated at Mauja Sarawa, Distt. Meerut.

Date : 14-5-84

Seal :

निदेश नं० एम-1472/83-84:—अन. मं० जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन यथम प्राधिकारी की यह विधायक करने का कारण है कि यथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी नं० 6129 है तथा जो देहरादून में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18/8/83 को वर्तित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल 25/- G1/81—2

के लिए अन्तर्गत की गई है और मूल्य यह विधायक करने का कारण है कि यथावृत्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तर्गती (अन्तरगियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए भय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से यथावत् अन्तरण, निम्नलिखित आन्तरिक रूप से वर्णित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधिनियम कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधी अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री वृत्तमोहन लाल वादेदरा, (अन्तरक)  
नि० 6-7, आई आई पी कम्पनी,  
महकमपुर, देहरादून
2. श्री आर०के० मेहरवाल, (अन्तरगती)  
नि० 5/5-1, मेग बहादुर रोड नं० 2,  
देहरादून
3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तर्गती (वह व्यक्ति, जिसके अतिरिक्त में सम्पत्ति है,

को यह सूचना जारी करके पुरवित सम्पत्ति के अन्तर्क के लिए कार्यवाहियां गत करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अन्तर्क के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुरवित व्यक्तियों से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में वितरित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिग्रहणाधीन के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 5/5-1, मेग बहादुर रोड, देहरादून।

तारीख : 14-5-84

मोहर :

Ref. No. M-1472/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 16-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

- Shri Brij Mohan Lal Wadehra, R/o No. E-2, I.I.P Colony Mohkampur, Dehradun. (Transferor)
- R. K. Sehgal, R/o 5/5-1, Teg Bahadur Road, No. 2, Dehradun. (Transferee)
- Shri —do— (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 5/5-1, Teg Bahadur Road Dehradun.

Date : 14-5-84

Seal :

निदेश नं० एम-1777/83-84 —अतः मुझे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ग के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 6587 है तथा जो देहरादून में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-8-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, जैसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) जैसे किसी आय या किसी धन या अन्य धान्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्री ब्रिज० चरणजीत सिंह, (अन्तरक)  
2-सी, कालीदास रोड,  
देहरादून।
- श्री अरुण नन्दन, पुत्र श्री बृज नन्दन (अन्तरिणी)  
8, कच्चा अमीर सिंह,  
मुजफ्फरनगर
- श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिणी. (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए कार्य-वाहिया शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्य भी आशेष :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्वन्नाशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साम्प्रतिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

आयदाद नं 9 डी (पुराना) आस्टले हाल नं 11 (नया), और बी  
उग्गर सैन रोड, देहरादून।

तारीख : 14-5-84

संहर.

Ref. No. M-1777/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 11-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

- Shri Brig. Charanjit Singh, 2-C, Kalidas Road, Dehradun. (Transferor)
- Shri Arun Nandan, S/o Shri Brij Nandan, 8, Kacha Ameer Singh, Muzaffarnagar. (Transferee)
- Shri —do— (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from

the date of publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 9-D (Old) New No. 14, R. B  
Uggar Sain Road, Dehradun.

Date : 14-5-84

Seal :

(मेंबर कमि)

कानपुर, 11 मई, 1984

निवेदन नं 1477/83-84—अतः मुझे जे.पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 6458 है तथा जो देहरादून में स्थित है (और इससे उपान्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-8-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, जैसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों परांत

- श्री चमन लाल, पुत्र श्री मनराम (अन्तरक)  
बाम, नि० 113, मछली बाजार,  
देहरादून
- श्री श्रीम प्रकाश एच अन्य लोग, (अन्तरिणी)  
निवासी 14, रम कोर्स, देहरादून
- श्री/श्रीमर्त/कुमार, अन्तरिणी (वह व्यक्ति, जिसके  
अभिधान में सम्पत्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गत करती है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्वाराजरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 3 मच्छली बाजार,

वर्तमान नं० 129/3, अन्सारी मार्ग, देहरादून।

ज. पी. हिलोरी, महम प्राधिकारी,  
(महायुक्त आयकर प्रायुक्त, निरीक्षण)  
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 11-5-84

साईर.

(जायदाद नं० 3 मच्छली बाजार)

Camp of Meerut

Kanpur, the 11th May, 1984

Ref. No. M-1477/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 30-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Chaman Lal, S/o Shri Sat Ram Dass, R/o 113, Machli Bazar, Dehradun (Transferor)
2. Shri Om Prakash and others, R/o 14, Race Course, Dehradun. (Transferee)
3. Shri —do— (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 3, Machli Bazar, Now 129/3, Ansari Marg, Dehradun.

J. P. HILORI,  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range  
KANPUR)

Date : 11-5-84.

Seal :